नप अध्यक्ष के बाद जनपद अध्यक्ष के परिजनों ने भी काटी अवैध कॉलोनी

भाजपा और कांग्रेस के नेता अवैध कॉलोनी में कांधे से कांधा मिलाकर काट रहे चांदी

शाजापुर, 28 जुलाई. भले ही भाजपा और कांग्रेस दोनों ही प्रतिद्वंद्वी दल हैं, लेकिन अवैध कॉलोनी के मामले में दोनों ही दलों के नेता कांधे से कांधा मिलाकर चांदी काट रहे हैं. शुजालपुर अनुभाग के अंतर्गत कालापीपल में पानखेड़ी नगर परिषद अध्यक्ष जो भाजपा के हैं और जनपद अध्यक्ष जो कांग्रेस से हैं. दोनों ही भले ही प्रतिद्वंद्वी दल से हैं, लेकिन दोनों के परिवारजनों को अवैध कॉलोनी के मामले में शुजालपुर एसडीएम ने नोटिस जारी किए हैं. नोटिस मिलने के बाद जुर्माना भी संबंधित नेताओं ने जमा कर दिया. याने स्वीकार कर लिया कि उन्होंने अवैध कॉलोनी काटी है, लेकिन वहीं दूसरी ओर शुजालपुर एसडीएम का कहना है कि 2016 के पहले की ये कॉलोनियां हैं, जिसमें इन पर कार्यवाही नहीं होगी, क्योंकि 2016 के पहले की सभी कॉलोनियां वैध मानी गई हैं. लेकिन सवाल यह उठता है कि यदि नगर परिषद अध्यक्ष और जनपद अध्यक्ष के परिजनों की कॉलोनी अवैध कॉलोनियों की श्रेणी में नहीं आती हैं, तो इन्हें नोटिस देकर जुर्माना किस नियम के तहत वसूला गया.

नवभारत EXCLUSIVE

गौरतलब है कि शुजालपुर एसडीएम द्वारा लगभग 40 अवैध कॉलोनाइजरों को नोटिस देकर उन पर जुर्माना और एफआईआर की कार्यवाही की गई है. जिन पर एफआईआर हुई, उन्होंने कार्यवाही को निष्पक्ष न बताते हुए एकतरफा कार्यवाही को लेकर मुख्यमंत्री और ईओडब्ल्यू भोपाल में शिकायत की है. हालांकि जांच के उपरांत शिकायत में एसडीएम को क्लीन चिट मिली, लेकिन सवाल यह उठता है कि जब 2016 के पहले की जो कॉलोनियां हैं, वो अवैध की श्रेणी में नहीं आती हैं, तो उन्हें नोटिस जारी कर उन पर जुर्माना किस नियम के तहत किया गया. पानखेड़ी कालापीपल नगर परिषद अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल की पत्नी के नाम से अवैध कॉलोनी को लेकर नोटिस जारी किया गया था. जबकि यह कॉलोनी 2016 के पहले की है. तो फिर इन्हें नोटिस और जुर्माना किस नियम के तहत लगाया गया. ऐसा ही एक और मामला उजागर हुआ है. कालापीपल जनपद अध्यक्ष भोजराज पंवार के परिवार के भरत सिंह पिता खुशीलाल, तनप्रीत सिंह पिता दलजीत सिंह को भी 11 अप्रैल 2025 को प्रकरण क्रमांक 003 वर्ष 2025-26 न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर द्वारा भूमि ग्राम पानखेड़ी में सर्वे नंबर 313/11/1/1 रकबा 0.269 हेक्टेयर, सर्वे क्रमांक 377/12/1/1/1/1/1 रकबा 0.704 हेक्टेयर, सर्वे क्रमांक 370/12/2/2 रकबा 0.314 हेक्टेयर, सर्वे क्रमांक 377/12 मिन 7/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.349 में अवैध आवासीय कॉलोनी काटी गई. इस संबंध में भरत सिंह पिता खुशीलाल, तनप्रीत सिंह पिता दलजीत निवासी कालापीपल ने अपने जवाब में कहा कि भूमि का विक्रय तब किया गया था, जब ग्राम पंचायत कॉलोनी का विकास नियम 2014 ग्राम पंचायत पानखेड़ी में लागू नहीं होता था. सवाल यह उठता है कि यदि ये नियम उस समय लागू नहीं होता था, तो फिर नोटिस किस नियम के तहत इन्हें जारी किया गया.

जब अस्तित्व में नहीं थी, तो जुर्माना किस बात का ?

शुजालपुर एसडीएम श्रीमती अर्चना कुमारी की मानें तो 2016 के पहले की कॉलोनी अवैध की श्रेणी में नहीं है. यही बात जनपद अध्यक्ष भोजराज पंवार और नगर परिषद अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल का भी कहना है. तो सवाल यह उठता है कि जब ये कॉलोनियां अवैध की श्रेणी में नहीं थी, तो इन्हें नोटिस क्यों जारी किया गया और इनसे जुर्माना क्यों वसूला गया. वहीं दूसरी ओर कॉलोनाइजरों को पता था कि उनकी कॉलोनी अवैध की श्रेणी से बाहर है, तो उन्होंने जुर्माना भरके स्वत: ही सिद्ध कर दिया है कि वे अवैध कॉलोनी का संचालन कर रहे हैं.

इनका कहना है

पहली अवैध कॉलोनी रिपोर्ट में तहसीलदार ने बहुत सारी पुरानी कॉलोनियों को शामिल किया था. रूटीन मेनर में नोटिस और अंतरिम ऑर्डर किया गया, लेकिन 2016 के पहले वालों पर एफआईआर की कार्यवाही नहीं कर सकते हैं.

- अर्चना कुमारी, एसडीएम, शुजालपुर

हमारे परिवारजनों ने जो भूखंड बेचे हैं, वो उस समय के हैं, जब पानखेड़ी परिषद अस्तित्व में नहीं थी. लेकिन एसडीएम ने नोटिस दिया, तो हमने जवाब के साथ-साथ जुर्माना राशि 10 हजार जमा कर दी.

- भोजराज पंवार, जनपद अध्यक्ष, कालापीपल

जिन कॉलोनाइजर पर नियम लागू नहीं होता था, उन्हें नोटिस देकर जुर्माना क्यों वसूला गया ..?

2016 के पहले जो कॉलोनियां कट गई हैं, भले ही वो अवैध थी. उन पर कार्यवाही नहीं हो सकती है. 2016 के पहले नगर परिषद अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल के परिजनों की कॉलोनी और जनपद अध्यक्ष के परिजनों की कॉलोनी शामिल है. लेकिन सवाल यह उठता है कि शुजालपुर एसडीएम द्वारा जो नोटिस जारी किए गए हैं, उसमें 2016 के पहले की भी कई अवैध कॉलोनियां शामिल हैं. जिन पर जुर्माना भी किया गया है. अब सवाल यह है कि क्या नोटिस देने में जल्दबाजी की गई या फिर ये लापरवाही का उदाहरण है. क्योंकि जो अवैध कॉलोनियां कार्यवाही की श्रेणी में नहीं आती है, उन्हें नोटिस किस नियम के तहत जारी किया गया और किस नियम के तहत उनसे जुर्माना वसूला गया. वहीं दूसरी ओर इस मामले में एक और आश्चर्यजनक तथ्य है कि एक तरफ नगर परिषद अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल और जनपद अध्यक्ष भोजराज पंवार ने नवभारत को बताया कि उनकी कॉलोनियां 2016 के पहले की हैं. जब पानखेड़ी नगर परिषद अस्तित्व में नहीं थी, तो फिर इन्होंने जुर्माना क्यों भरा. जुर्माना भरने से एक बात साबित है कि दोनों दलों के नेताओं ने ये सिद्ध कर दिया है कि उनकी कॉलोनियां अवैध हैं.

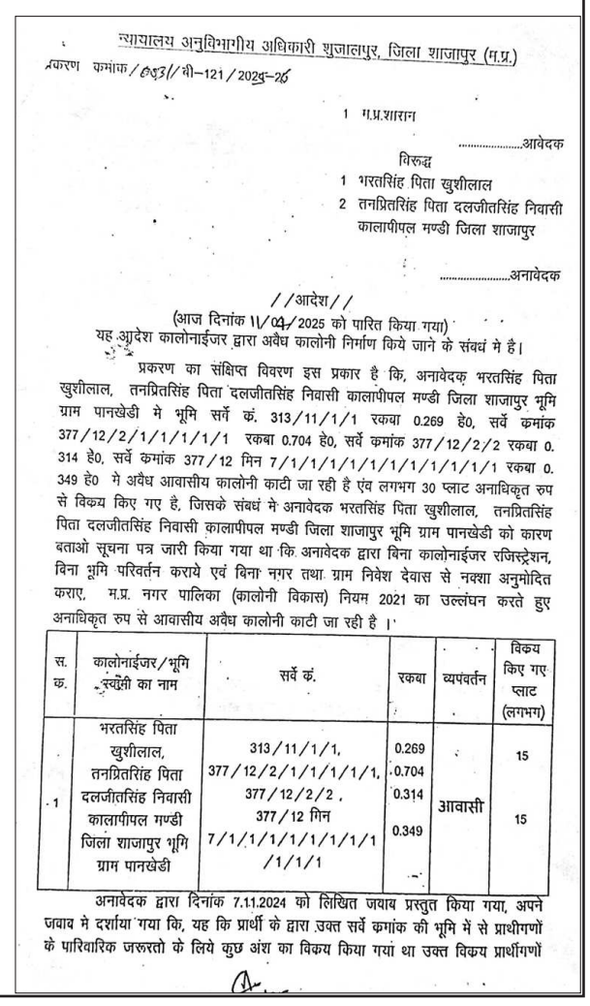

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर, जिला शाजापुर (म.प्र.)

प्रकरण कमांक/003/बी-121/2025-26

1 म.प्र.शासन .....आवेदक

विरुद्ध

1 भरतसिंह पिता खुशीलाल
2 तनप्रितसिंह पिता दलजीतसिंह निवासी कालापीपल मण्डी जिला शाजापुर .....अनावेदक

//आदेश//

(आज दिनांक 11/04/2025 को पारित किया गया)

यह आदेश कालोनाईजर द्वारा अवैध कालोनी निर्माण किये जाने के संबंध मे है।

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि, अनावेदक भरतसिंह पिता खुशीलाल, तनप्रितसिंह पिता दलजीतसिंह निवासी कालापीपल मण्डी जिला शाजापुर भूमि ग्राम पानखेडी मे भूमि सर्वे कं. 313/11/1/1 रकबा 0.269 हे0, सर्वे कमांक 377/12/2/1/1/1/1/1 रकबा 0.704 हे0, सर्वे कमांक 377/12/2/2 रकबा 0.314 हे0, सर्वे कमांक 377/12 मिन 7/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.349 हे0 मे अवैध आवासीय कालोनी काटी जा रही है एंव लगभग 30 प्लाट अनाधिकृत रुप से विक्य किए गए है, जिसके संबंध मे अनावेदक भरतसिंह पिता खुशीलाल, तनप्रितसिंह पिता दलजीतसिंह निवासी कालापीपल मण्डी जिला शाजापुर भूमि ग्राम पानखेडी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था कि अनावेदक द्वारा बिना कालोनाईजर रजिस्ट्रेशन, बिना भूमि परिवर्तन कराये एवं बिना नगर तथा ग्राम निवेश देवास से नक्शा अनुमोदित कराए, म.प्र. नगर पालिका (कालोनी विकास) नियम 2021 का उल्लंघन करते हुए अनाधिकृत रुप से आवासीय अवैध कालोनी काटी जा रही है।

स. क.	कालोनाईजर/भूमि स्वेंमी का नाम	सर्वे कं.	रकबा	व्यपंवर्तन	विक्य किए गए प्लाट (लगभग)
1	भरतसिंह पिता खुशीलाल, तनप्रितसिंह पिता दलजीतसिंह निवासी कालापीपल मण्डी जिला शाजापुर भूमि ग्राम पानखेडी	313/11/1/1, 377/12/2/1/1/1/1/1, 377/12/2/2, 377/12 गिन 7/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1	0.269 0.704 0.314 0.349	आवासी	15 15

अनावेदक द्वारा दिनांक 7.11.2024 को लिखित जवाब प्रस्तुत किया गया, अपने जवाब मे दर्शाया गया कि, यह कि प्रार्थी के द्वारा उक्त सर्वे कमांक की भूमि में से प्राथीगणों के पारिवारिक जरूरतो के लिये कुछ अंश का विक्य किया गयां था उक्त विक्य प्रार्थीगणों

एक नजर में

बैंक के स्टाफ और लोगों को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

मोहन बड़ोदिया, 28 जुलाई. मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार नशे से दूरी है जरूरी, जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई जा रही है. अभियान पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत के कुशल नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय के मार्गदर्शन में जिलेभर में प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है. इसी क्रम में सोमवार दोपहर 2 बजे मोहन बड़ोदिया थाना प्रभारी प्रेम किशोर व्यास के निर्देशन पर पुलिस थाना मोहन बड़ोदिया द्वारा नशे से दूर रहने जन जागरूकता अभियान के चलते मोहन बड़ोदिया थाने से एसआई सुभाष पटेल और आरक्षक सुरेश राठौर द्वारा मोहन बड़ोदिया की प्राथमिक कृषि साख सहकारी मर्यादित बैंक के स्टाफऔर लोगों को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलाई गई. इस दौरान नशे से होने वाले सामाजिक, मानसिक एवं शारीरिक दुष्परिणामों की जानकारी देकर जागरूक किया गया.

ग्रापं साल्याखेड़ी में चला विशेष जागरूकता शिविर

सोयतकलां,28 जुलाई. जनपद पंचायत सुसनेर के अंतर्गत ग्राम पंचायत साल्याखेड़ी में मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में नागरिकों को केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया तथा पंजीयन कर लाभांवित भी किया गया. कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि सांवलिया पाटीदार, सचिव कालूराम यादव, सहायक सचिव गिरिराज विश्वकर्मा, इंडियन बैंक कियोस्क संचालक राजेश विश्वकर्मा, बैंक ऑफ इंडिया कियोस्क संचालक सृजन कुमरावत, पोस्टमैन समीर मंसूरी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कृष्ण सेन, ममता बैरागी तथा अनोख भिलाला की उपस्थिति विशेष रूप से रही. सभी ने मिलकर योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को लाभ लेने के लिए प्रेरित किया. शिविर के दौरान योजना के लाभ, पात्रता और पंजीयन प्रक्रिया को लेकर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया. जिससे ग्रामीणों में जागरूकता का सकारात्मक वातावरण बना.

बाढ़ और बारिश के मध्य बिजली विभाग अलर्ट लोगों से की अपील

सोयतकलां, 28 जुलाई. नगर सहित क्षेत्र में लगातार 48 घंटे से हो रही झमाझम बारिश का दो जारी है. वहीं जगह-जगह जल भराव की स्थिति हो रही है जिसको लेकर बिजली विभाग अलर्ट दिखाई दे रहा है और जहां-जहां ट्रांसफार्मर नदी नालों के पास लगे हैं इसकी देखरेख के लिए बिजली विभाग सुपरवाइजर पंकज वर्मा द्वारा लाइनमैन एवं बिजली कर्मचारियों को समय-समय पर देखरेख करने के निर्देश दिए. वहीं जहां-जहां ट्रांसफार्मर नीचे लगे हैं केबल तार खुले होने के चलते नगर में घूम रहे मवेशियों एवं आमजनों की सुरक्षा को देखते हुए डीपी के पास कटआउट बॉक्स लगाए गए हैं. वहीं क्षेत्र में मार्टिनेटिंग की जा रही है. क्षेत्र में लगातार 48 घंटे से झमाझम बारिश जारी है बारिश के कारण जमीन गीली हो गई है और जगह-जगह पानी भरा हुआ है. जिससे की खंबा गिरना करंट उतरना जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है. आप सभी सम्मानित उपभोक्ताओं से विनम्र निवेदन है कि बिजली उपकरण ट्रांसफार्मर ऑल स्टेट वायर जैसे विद्युत उपकरण से उपयुक्त दूरी बनाए रखें, किसी भी उपकरण के नजदीक जाना या छूना जानलेवा हो सकता है. अगर कहीं बारिश के कारण बिजली के तार या पोल में करंट या टूट जाए तो तुरंत क्षेत्र के संबंधित लाइनमैन को कॉल कर बिजली बंद करवाए या आप कार्यालय पर कॉल कर अवगत करवाए ताकि कोई जन हानि ना हो.

शिव मंदिरों में हुआ आकर्षक श्रृंगार, निहारने पहुंचे भक्त

सुसनेर, 28 जुलाई. सावन के तीसरे सोमवार पर डाक बंगला रोड पर सिंचाई विभाग स्थित श्री मनकामनेश्वर महादेव मंदिर में समिति के द्वारा अर्धनारीश्वर के रूप में आकर्षक श्रृंगार कर महाआरती का आयोजन किया गया. जिसमें रात्रि साढे 8 बजे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आरती में शामिल होकर धर्मलाभ अर्जन किया. महादेव की विशेष पूजा अर्चना भी की गई. आरती के पश्चात प्रसादी का वितरण भी किया गया.

लक्ष्मीकांत बनने के लिए प्यारेलाल बन जाते हैं भाजपा-कांग्रेस के नेता...

बात शाजापुर की
मनोज पुरोहित

नोट भले ही कितने ही रंग बदल ले, लेकिन इतने रंग नहीं बदलता, जितने रंग नेता नोटों के लिए बदल लेते हैं... ये पंक्तियां उन राजनेताओं पर सटीक बैठती हैं, जो आवाम के सामने तो खुद को प्रतिद्वंद्वी दिखाते हैं, लेकिन हमाम में एक साथ भ्रष्टाचार का स्नान करते हैं. लक्ष्मी दर्शन के लिए भाजपा और कांग्रेस के नेताओं का गठबंधन समय-समय पर देखने को मिलता है. यूं तो भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे के कट्टर विरोधी और एक-दूसरे के पूरक हैं, लेकिन जहां लक्ष्मी दर्शन का मामला हो, तो दोनों दल के नेता मनी रोग से संक्रमित होकर एक जाजम पर आ बैठते हैं. लक्ष्मीकांत बनने के लिए भाजपा और कांग्रेस के नेता एक-दूसरे के लिए प्यारेलाल बन जाते हैं. कालापीपल इसका उदाहरण बनकर सामने आया है. यहां भाजपा के नगर परिषद अध्यक्ष के परिजनों ने भी अवैध कॉलोनी से लक्ष्मी दर्शन किए, तो कांग्रेस के जनपद अध्यक्ष के परिवार वाले भी पीछे नहीं रहे. यदि ये ही कॉलोनी कोई आम आदमी काट देता, तो नगर परिषद उसके खिलाफ कार्यवाही करती और कांग्रेसी विपक्ष के नाते सड़क पर हल्ला बोलते. लेकिन इस मामले में दोनों तरफ से समझौता एक्सप्रेस को दौड़ाया जा रहा है. हालांकि पानखेड़ी के प्रथम नागरिक जो इन दिनों भाजपाई बने हैं, वे कुर्सी के लिए कांग्रेस से ही पोर्ट होकर आए हैं. याने कि कांग्रेस युक्त भाजपा के अध्यक्ष के रूप में वे पानखेड़ी के प्रथम नागरिक बने. यही कारण है कि पुराने कांग्रेसी भी उनके खिलाफ मुखर होकर नहीं बोल पाते हैं, क्योंकि उनकी आत्मा पहले कांग्रेस में बसती थी, जो अब भाजपा में आ गई है. अवैध कॉलोनी या कोई भी ऐसा काम, जिसमें लक्ष्मी दर्शन हों, उसमें भाजपा-कांग्रेस के नेता एक-दूसरे का विरोध नहीं करते हैं, बल्कि एक जाजम पर बैठकर दोनों दल के नेता माल कुटाई करते हैं. उस कार्यकर्ता का क्या दोष, जो अपनी-अपनी पार्टी के लिए सड़कों पर उतरता है. उस जनता का क्या दोष, जो इन्हें चुनकर कुर्सी पर बैठाती है. यदि ये अवैध कॉलोनी किसी आम आदमी की होती, तो उसकी मदद कांग्रेसी नेता ये कहकर पल्ला झाड़ लेते कि सरकार हमारी नहीं है और यदि भाजपा नेता के पास जाता, तो वे राजा हरीशचंद्र बनकर भ्रष्टाचार और अवैध काम पर पूरा शोध ग्रंथ पढ़कर सुना देते. भ्रष्टाचार की गंगोत्री में भाजपा और कांग्रेस के नेताओं का एकसाथ शाही स्नान इस बात का प्रमाण है कि वे जनता और अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को मामू बनाने में लगे हुए हैं. ***इसलिए कह सकते हैं कि खुदकुशी करती है आपस की सियासत कैसे, हमने ये फिल्म कालापीपल में खूब देखी है...***

भ्रष्टाचार बना शिष्टाचार...

भ्रष्टाचार अब शिष्टाचार का रूप ले चुका है, जिसे कई नाम दिए गए हैं. काम के बदले पैसे लेना रिश्वत नहीं सहयोग राशि है. कार्यवाही के नाम पर वसूली करना नेकदिली है. कमीशनखोरी को हक मान बैठे हैं. अब भ्रष्टाचार केवल छोटे कर्मचारियों और आम आदमियों तक सीमित होकर रह गया है. भ्रष्टाचार का विकेंद्रीकरण राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में इतनी तेजी से बढ़ा है कि भ्रष्टाचार के लिए गजब की एकता ब्यूरोक्रेसी और खादी में देखने को मिलती है. भाषणों में ज्ञान देने के लिए भ्रष्टाचार अच्छा मुद्दा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि ये मुद्दा ही असली कमाई का जरिया भी है.

सूची तैयार, कभी भी हो सकता है विस्फोट

भाजपा जिला कार्यकारिणी की सूची तैयार हो चुकी है. भाजपा की राजनीति में कभी भी सुनामी आ सकती है. महामंत्री से लेकर सभी पदों पर नाम लगभग तय हैं, बस किसी के लिए शुभ, तो किसी के लिए अशुभ मुहूर्त की घड़ी कभी भी आ सकती है. इस बार की कार्यकारिणी में पुरानों को विश्राम और नयों को काम मिलेगा. जो नेता एक समय में अर्श पर थे, वे कार्यकारिणी के बाद राजनीति के फर्श पर नजर आएंगे और जो नेता भाजपा की राजनीति में फर्श पर थे, उनके अर्श पर आने का समय नजदीक है.

अंत में...

कितने चेहरे लगे चेहरों पर, क्या हकीकत है और सियासत क्या...?

तहसील सीमाओं को लेकर प्रस्तावों पर की चर्चा

शाजापुर, 28 जुलाई. मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग को शाजापुर जिले से संबंधित भेजे जाने वाले प्रस्तावों पर कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में चर्चा की गई. बैठक में तहसील सीमाओं के युक्तियुक्तकरण तथा शाजापुर के निकट के उज्जैन जिले के ग्रामों को शाजापुर में शामिल करने सहित अन्य प्रस्तावों पर चर्चा हुई. इस मौके पर बीएस सोलंकी, जिपं सीईओ संतोष टैगोर, एसडीएम शुजालपुर श्रीमती अर्चना कुमारी, शाजापुर सुश्री मनीषा वास्कले व गुलाना सत्येन्द्र प्रसाद सिंह, डिप्टी कलेक्टर राजकुमार हलदर, सुश्री नेहा गंगारे व आलोक वर्मा, भू-अभिलेख अधीक्षक सुश्री अनामिका आर्य भी उपस्थित थी.

सावन की झड़ी से मन हर्षाया, रिमझिम तो कभी झमाझम बारिश जारी रही

नदी-नाले उफान पर, निचली बस्तियों में भराया पानी

सुसनेर, 28 जुलाई. नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में बीते दो दिनों से मानसून सक्रिय है. जोरदार बारिश का क्रम जारी है. बारिश के चलते सोमवार को नदी-नाले उफान पर है. सावन के माह में बादल झूमकर बरस रहे हैं.

रात से ही बारिश दिनभर रुककर कभी तेज तो कभी झमाझम होती रही. नगर सहित ऊपरी क्षेत्रों में हुई भारी बारिश के कारण कंठाल नदी उफान पर रही. नदी के बीच मे बना महादेव घाट जलमग्न हो गया तो वहीं बामनियाखेड़ी मार्ग व नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर की

पुलिया पर पानी का तेज बहाव होने के कारण आवगमन बंद रहा. उसके बाद भी लोग जान को जोखिम में डालकर पुलिया पार करते नजर आए. प्रशासन के आकंडो के अनुसार अभी तक 536.4 मिमी यानी के 21.11 इंच के लगभग बारिश दर्ज की जा चुकी है.

सादलपुर की पुलिया को जान जोखिम में डाल पार करते रहे लोग

तेज बारिश के दौरान पिड़ावा रोड पर सादलपुर से पिड़ावा की ओर जाने वाले मार्ग पर बनी पुलिया पर तेज बहाव का पानी होने के कारण लोग जान हथेली पर रखकर पार करते रहे. इसकी सूचना मिलने स्थानीय प्रशासन के द्वारा नदी के दोनों छोर पर बेरिगेड्स लगा करके आवागमन को बंद किया गया और कर्मचारियों की तैनाती की गई.

नगरवासियों ने की कंठाल नदी की पूजा

बीते दो दिनों से लगातार बारिश को देखते हुए शहर की जीवनदायिनी कंठाल नदी दो दिनों से उफान पर आ रही है. दरअसल इस वर्षा ऋतु में पहली बार दो दिनों से नदी उफान पर आने से नगरवासियों में खुशी के लहर है और इसके चलते श्रद्धालुओं ने सोमवार की सुबह वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कंठाल नदी का पूजन अर्चन कर क्षेत्र वासियों की समृद्धि की कामना की.

एक नजर में

तीन दशक से लगातार निकल रही है कांवड़ यात्रा, इस बार भी उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

शहरवासियों के लबों तक जोशी ने पहुंचाया 'जय शिव'

शाजापुर, 28 जुलाई. लोगों के लबों पर जय शिव नाम आते ही जहन में जय शिव कांवड़ यात्रा की तस्वीर खिंच जाती है. लंबे समय से जय शिव कांवड़ यात्री संघ द्वारा कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है. या यूं कहें कि शहर में कांवड़ यात्रा का शंखनाद जय शिव कांवड़ यात्री संघ ने किया. 27 साल से लगातार इस यात्रा का सफल संचालन हो रहा है. जय शिव का उद्घोष शहर में प्रचलन में लाने का श्रेय जय शिव कांवड़ यात्री संघ के संस्थापक संतोष जोशी को जाता है.

राजनीति के साथ-साथ सनातन के लिए जय शिव नाम को घर-घर तक पहुंचाया है जय शिव कांवड़ यात्री संघ ने. शाजापुर में जब कांवड़ यात्रा गिनती की हुआ करती थी, तब सावन के महीने में लोगों को जय शिव कांवड़ यात्री की कांवड़ यात्रा का बेसब्री से इंतजार रहता था. पहले शाजापुर से ओंकारेश्वर जाकर मां नर्मदा का जल लाया जाता है, फिर शाजापुर से उज्जैन तक पैदल यात्रा कर बाबा महाकाल का नर्मदा के जल से अभिषेक कर मां क्षिप्रा को चुनरी ओढ़ाने का यह अभियान 27 साल से अनवरत जारी है. शाजापुर में आज भले ही दो दर्जन कांवड़ यात्रा निकलती है, लेकिन आज भी कांवड़ यात्रा को जय शिव कांवड़ यात्रा के नाम से ही जानते हैं. नगर पालिका उपाध्यक्ष संतोष जोशी ने जय शिव कांवड़ यात्रा की स्थापना उस समय की थी, जब न तो सनातन का इतना जोर था, न हिंदुत्व का बोलबाला था. आज भाजपा सरकार आने के बाद कई हिंदू संगठन और सनातन की बात करने लगे हैं. लेकिन शाजापुर की जय शिव कांवड़ यात्रा उस समय सनातन का ध्वज लेकर चलती थी, जब हिंदुत्व की बात करना और सनातन ध्वज को लेकर कार्यवाही भी हुआ करती थी. शहर में संतोष जोशी ने अपनी पहचान राजनेता के तौर पर कम जय शिव कांवड़ यात्रा के रूप में ज्यादा बनाई है.

27 साल से लगातार जारी है जय शिव कांवड़ यात्रा

लगभग 27 वर्ष पूरे हो चुके हैं जय शिव कांवड़ यात्री संघ को. लंबे समय तक वे शाजापुर से उज्जैन महाकालेश्वर तक यात्रा ले जाते थे. जहां बाबा महाकालेश्वर का नर्मदा के जल से अभिषेक कर लौटते थे. इस यात्रा में युवाओं के साथ-साथ महिलाएं और बुजुर्गों का भी सहयोग रहता था. अब यह यात्रा शाजापुर से नैनावद तक सीमित कर दी गई है, लेकिन जोश वो ही है, जो 27 साल पहले पहली कांवड़ यात्रा में दिखता था. शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के धर्मप्रेमी लोग भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे.

कांवड़ यात्रा में लोगों ने लिया हिस्सा...

इस बार जय शिव कांवड़ यात्रा संघ के संस्थापक संतोष जोशी ने हर साल की परंपरा अनुसार यात्रा निकाली, जिसके संयोजक धर्मेंद्र प्रजापति, अमित नैयर, सत्या वात्रे, नरेंद्र प्रजापति द्वारा पूरी यात्रा को सफल संचालन किया गया, जिसमें शाजापुर विधायक अरुण भीमावद, भाजपा नगर अध्यक्ष आशीष नागर, नगर महामंत्री गोविंद नायक, पूर्व नपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी सहित शहर के सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के प्रमुखों ने भाग लिया. शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई यह कांवड़ यात्रा नैनावद के महाकालेश्वर मंदिर में पहुंची. इस यात्रा में जगह-जगह लोगों ने स्वागत किया. कांवड़ यात्रा को लेकर इस बार भी धर्मप्रेमी लोगों का जमावड़ा था.

बस का पिछला पहिया बाइक सवार के सिर पर चढ़ा, मौके पर मौत

मोहन बड़ोदिया, 28 जुलाई. रविवार रात 9 बजे के करीब जावदी जोड़ के समीप बाइक सवार चार्टेड बस की चपेट में आ गया. घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार दयाल पिता रामकिशन जायसवाल उम्र 45 वर्ष और जितेंद्र सिंह बाइक से कानड़ से धंदेडा की और आ रहे थे तभी जावदी जोड़ के समीप मोहन बड़ोदिया से आगर जा रही चार्टेड बस की चपेट में आने से बाइक सवार 45 वर्षीय दयाल पिता रामकिशन जायसवाल पर बस का पिछला पहिया सिर के ऊपर से गुजर गया. जिससे मौके पर ही मौत हो गई और दूसरा युवक जितेंद्र सिंह बाइक से उछलकर सड़क किनारे झाड़ियों में जा गिरा. जिसे गंभीर हालत में मोहन बड़ोदिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. बता दें सोमवार सुबह 9 बजे शव का पोस्टमार्टम मोहन बड़ोदिया सीएचसी पर करवाकर शव परिजन के सुपर्द किया गया. वहीं मोहन बड़ोदिया पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया.